

>

Title: Regarding bomb blast outside the Delhi High Court.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL):  
Madam, I am sure that the entire House joins you in expressing similar sentiments over this dastardly act that has occurred outside the Delhi High Court today morning.

Madam, the entire country – what to talk of only this House – has to condemn such incidents. I can only say, Madam, that since this incident has just occurred only a little time back, the Government will try to make a Statement at 12 noon on this point.

**श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर):** महोदया, अभी की घटना के बारे में आपने जो चिंता प्रकट की है और जो भ्रूत्सना की है, मैं आपकी भावना से और सरकार की भावना से अपने को सहमत करता हूँ और मुझे लगता है कि वह घटना अभी चल ही रही है। घटना के बारे में हम टीवी पर देख रहे थे। कोर्ट में जो वकील पहुंचे थे, उन्होंने जो सूचना दी, उसके अनुसार यह एक बड़ा ब्लास्ट हुआ है। उसमें कितनी कैजुअल्टीज़ होती हैं उसका अनुमान अभी लगाना संभव नहीं है। अच्छा होगा कि हम विविटम्स की सिंघैथी में चिंता प्रकट करते हुए तब तक और सामान्य कार्यवाही न करें जब तक कि गृहमंत्री जी आ कर इस सदन के माध्यम से देश को जो कुछ हुआ है, कितनी घटनाएं हुई हैं, क्या हुआ है, उसकी जानकारी दें पाएं। इसीलिए मुझे लगता है कि जहां पर कई बार लोग देखते हैं कि यह सदन किसी न किसी कारण से स्थगित हो जाता है, काम नहीं होता है, कार्यवाही नहीं चलती है, अगर आप उसमें सहमति दें तो तब तक हम और कोई कार्यवाही न करें जब तक गृहमंत्री जी आकर अधिकृत रूप से हमें जानकारी न दें। आप 12 बजे तक के लिए सदन को स्थगित कर दें। यह मेरा अनुरोध है।

**श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी):** अध्यक्ष जी क्या आज भी मुझे बोलने का मौका नहीं मिलेगा?

**अध्यक्ष महोदया :** आपको तो हमेशा ही बोलने का मौका दिया जाता है, आज भी मिलेगा। आप बोलिए।

**श्री मुलायम सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदया, आपने इस घटना पर दुःख प्रकट किया और निंदा भी की है, उससे हम सहमत हैं। आडवाणी साहब ने संक्षेप में सारी बातें कही हैं। हम सदन के सामने एक चिंता की बात जरूर रखना चाहते हैं। गृह मंत्री जी बयान जरूर दें और उस बयान में मैं अभी से कहना चाहता हूँ कि इस संबंध में जरूर बताएं कि आखिर विदेशी आकर देश में बस जाते हैं, घटना भी कर देते हैं और घटना कर के सुरक्षित वापस चले जाते हैं या छुप जाते हैं। इसका कारण क्या है? इस पर हमें, आपको और पूरे सदन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। ऐसे में हम कोई राजनीति नहीं करना चाहते हैं और न ही कोई भाषण देना चाहते हैं, लेकिन ऐसे कई मुद्दे थे, जिन पर चर्चा की जानी चाहिए थी, आडवाणी साहब ने मांग भी की थी, लेकिन क्यों विद्वज्ज कर ली, मुझे पता नहीं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बहस की मांग की थी, और सदन भी सहमत हो गया था। उसके बाद आडवाणी साहब ने बहस क्यों नहीं करवाई, यह हमने नहीं पूछा, लेकिन अब जरूर पूछेंगे। आज हम सदन के लोग तो दुखी हैं ही, आज पूरा देश दुखी है। जब पूरा देश दुखी है, उस समय हम सदन चलारें और सदन में तरह-तरह की चर्चा हो, तनाव हो, वैल में जायें, बाहर जायें या निन्दा करें तो अच्छा नहीं लगता है। हम आडवाणी जी की बात के साथ अपने-आपको अलग से जोड़ना चाहते हैं कि आज इस शोक में सदन नहीं चलना चाहिए।

**श्री शरद यादव (मधेपुरा):** महोदया, आपने, आडवाणी जी ने, बंसल जी ने और मुलायम सिंह जी ने जो कहा, मैं सबकी बात से सहमति व्यक्त करता हूँ। जहां घटना हुई है, वह स्थान यहां से एक किलोमीटर दूर है। हम सब लोग व्यथित हैं। मेरी विनती है कि इस समय हम लोग भी बहुत बेचैन हैं, घटना इतनी पास नहीं होती तो शायद इतनी बेचैनी नहीं होती, यह स्थान बिल्कुल एक किलोमीटर दूर है। इसलिए सभी नेताओं ने जो बात कही है, आप उससे सहमति व्यक्त करें तो ज्यादा बेहतर होगा।

इन्हीं बातों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, I also associate myself with the sentiments expressed by Advaniji, Mulayam Singhji and Sharad Yadavji; and I also condemn this dastardly attack. It is the concern of the entire country. As the other leaders have said, I would also request that we should adjourn the House today to meet at 12 o'clock when the hon. Home Minister will make a statement. Till then, the House should be adjourned.

**श्री दारा सिंह चौहान (घोसी):** महोदया, आज सुबह दस-सवा दस बजे के बीच हाई कोर्ट के सामने जो घटना घटी है, उसकी जितनी भी निन्दा की जाये, वह कम है। आज आप, पूरा सदन और पूरा देश इस पर चिंतित है। मैं समझता हूँ कि पूरा सदन इससे सहमत है कि गृह मंत्री जी के जवाब के बाद हाउस को आगे चलाने पर विचार किया जाये। इस तरीके की घटना आने न घटे, इस पर संसद पहले भी चिन्ता व्यक्त कर चुकी है, हमें इसका प्रयास करना चाहिए। धन्यवाद।

**श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़):** महोदया, आपने और सदन के सभी नेताओं ने दिल्ली हाई कोर्ट पर जो बम विस्फोट हुआ, उसके संदर्भ में यहां पर जो बातें कही हैं, उससे मैं और मेरी पार्टी सहमत है। मैं सिर्फ एक बात की ओर आपका और सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा। इस संसद पर पहले भी हमला हो चुका है, कई

हमले इसके पहले दिल्ली में हुए हैं और यह हमला बिल्कुल संसद के सामने, एक किलोमीटर की दूरी पर हुआ है। जितने भी आतंकवादी हमले हो रहे हैं, ये सारे हमले हमारे देश पर हो रहे हैं। एक तौर पर यह सारे देश के लिए चुनौती है। ऐसे समय में हम सबको मिलकर इस चुनौती के खिलाफ लड़ना चाहिए। वह मानसिकता बनानी आवश्यक है कि एक तौर पर यह हमारे खिलाफ जंग चल रही है और हम सबको मिलकर देश की सुरक्षा को लेकर इस जंग के खिलाफ लड़ना चाहिए। यही मेरी पार्टी और मेरी राय है।

SHRI T.K.S. ELANGO VAN (CHENNAI NORTH): Madam, on behalf of the DMK, I associate myself with the hon. leaders of various parties in conveying my sympathies to those who have been affected in this bomb blast. I think, this should be condemned *in toto*. I would request the hon. Home Minister to look into it and take necessary action in this regard.

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Madam, just now you have informed to the House that a sad incident has taken place just now in the premises of Delhi High Court. We are very much concerned about the security of this country. Such incidents have been happening many times at many places. We have to strongly condemn this incident. On behalf of my Party, AIADMK, I also join all my colleagues to see that these kinds of incidents do not take place in future. We also express our sympathies to the families of those who have lost their lives in the incident, that happened at Delhi High Court.

SHRIMATI HARSIMRAT KAUR BADAL (BHATINDA): Madam Speaker, I request you to grant permission to speak from here.

On behalf of Shiromani Akali Dal, I also condemn the incident that has taken place and that is taking place. I totally agree with Advani-ji that it would not be appropriate that we go around our usual business when certain people are losing their lives. So, I would also request you that until the Home Minister makes a statement and we come across some more information, we must show our sympathy with what is happening.

**श्री पवन कुमार बंसल:** माननीय अध्यक्ष महोदया, तथ्य प्राप्त करके माननीय गृह मंत्री साढ़े बारह बजे वक्तव्य देंगे। पूरे सदन की भावनाओं के मद्देनज़र मैं भी आपके साथ इस बात में शामिल होता हूँ कि आप उस वक्त तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित करें।

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12.30 p.m.

*The Lok Sabha then adjourned till thirty minutes past*

*Twelve of the Clock.*

*The Lok Sabha re-assembled at Thirty minutes past Twelve of the Clock.*

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Papers to be laid on the Table.

